8/11/17

पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक प्रार्थी व अप्रार्थी उपस्थित। अभि. प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रा० पत्र बाबत अपील प्रकरण नं. 111/10 निर्णय 29.10.13 को पुनः सुनवाई हेतु नम्बर पर लिये जाने का अवलोकन कर बहस विद्वान अभिभाषक प्रार्थी व अप्रार्थी पर मनन किया। अभिभाषक प्रार्थी द्वारा रेस्टोरेशन प्रा० पत्र विलम्ब से पेश करने से हुई देरी सद्भाविक होने से डिले कन्डोन किया जाकर प्रमाणित कि प्रार्थना पत्र रेस्टोरेशन स्वीकार किया जाकर मूल अपील प्रकरण को सुनवाई हेतु पुनः नम्बर पर लिया जाता है। अपील सुनवाई हेतु दर्ज रजिस्टर की जावे। प्रार्थना पत्र रेस्टोरेशन निर्णय शुमार होकर बाद दाखिल, रवाना कलेन्डर मूल अपील हो।

अति० स० आयु०
[illegible]